

HINDI PRACTICE SET-5

1. 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' (1938 ई.) ग्रन्थ के लेखक कौन हैं?

- (A) डॉ. रामकुमार वर्मा (B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(C) डॉ. नगेन्द्र (D) डॉ. बच्चन सिंह

उत्तर: (A) डॉ. रामकुमार वर्मा

व्याख्या: डॉ. रामकुमार वर्मा ने संवत् 750 से 1750 (सन् 693 से 1693 ई.) तक का इतिहास 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' में प्रस्तुत किया।

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (आदिकाल कवि)	सूची-II (रचना)
(a) पुष्पदन्त	(1) णयकुमारचरित
(b) धनपाल	(2) भविसयत्तकहा
(c) अब्दुल रहमान	(3) सन्देश रासक
(d) जोइन्दु	(4) परमात्मप्रकाश

कूट:

- (A) a-1, b-2, c-3, d-4 (B) a-2, b-1, c-4, d-3
(C) a-1, b-3, c-2, d-4 (D) a-4, b-2, c-1, d-3

उत्तर: (A) a-1, b-2, c-3, d-4

व्याख्या: पुष्पदन्त - णयकुमारचरित (नागकुमारचरित), धनपाल - भविसयत्तकहा, अब्दुल रहमान - सन्देश रासक, जोइन्दु - परमात्मप्रकाश।

3. 'शालिभद्र सूरि' को हिन्दी का प्रथम कवि किस इतिहासकार ने माना है?

- (A) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) शिवसिंह सेंगर (D) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर: (A) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

व्याख्या: डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त ने 'भरतेश्वर बाहुबली रास' (1184 ई.) के रचयिता शालिभद्र सूरि को हिन्दी का प्रथम कवि घोषित किया।

4. 'जयचन्द प्रकाश' महाकाव्य के रचयिता कौन हैं?

- (A) भट्ट केदार (B) मधुकर कवि
(C) जगनिक (D) नरपति नाल्ह

उत्तर: (A) भट्ट केदार

व्याख्या: संवत् 1225 में भट्ट केदार ने महाराजा जयचन्द के प्रताप और युद्धों का वर्णन करने वाले ग्रन्थ 'जयचन्द प्रकाश' की रचना की।

5. 'देसिल बअना सब जन मिट्टा, तेंसं जम्पओ अवहट्टा' - यह प्रसिद्ध काव्य-पंक्ति किसकी है?

- (A) विद्यापति (B) अमीर खुसरो
(C) सरहपा (D) हेमचन्द्र

उत्तर: (A) विद्यापति

व्याख्या: विद्यापति ने अपनी अवहट्ट भाषा में रचित अमर कृति 'कीर्तिलता' में लोकभाषा की मिठास बताते हुए यह पंक्ति कही।

6. 'सनकादि सम्प्रदाय' का दूसरा नाम क्या है?

- (A) निम्बार्क सम्प्रदाय (B) वल्लभ सम्प्रदाय
(C) श्री सम्प्रदाय (D) गौड़ीय सम्प्रदाय

उत्तर: (A) निम्बार्क सम्प्रदाय

व्याख्या: निम्बार्कचार्य द्वारा प्रवर्तित सम्प्रदाय को सनकादि सम्प्रदाय या हंस सम्प्रदाय भी कहा जाता है।

7. 'गौड़ीय सम्प्रदाय' (अचिन्त्यभेदाभेदवाद) के प्रवर्तक कौन थे?

- (A) चैतन्य महाप्रभु (B) मध्वाचार्य
(C) वल्लभाचार्य (D) हितहरिवंश

उत्तर: (A) चैतन्य महाप्रभु

व्याख्या: बंगाल में कृष्ण-भक्ति की रसधारा बहाने वाले चैतन्य महाप्रभु (गौरांग महाप्रभु) ने गौड़ीय सम्प्रदाय का प्रवर्तन किया।

8. 'लखमसेन पद्मावती कथा' (1459 ई.) के रचयिता कौन हैं?

- (A) दामोदर कवि (B) ईश्वरदास
(C) कुतुबन (D) मंझन

उत्तर: (A) दामोदर कवि

व्याख्या: राजस्थानी मिश्रित अपभ्रंश-हिन्दी में प्रेमाख्यानक 'लखमसेन पद्मावती कथा' की रचना दामोदर कवि ने की।

9. 'यूसुफ जुलेखा' प्रेमाख्यानक काव्य के रचयिता कौन हैं?

- (A) शेख निसार (B) कासिम शाह
(C) नूर मुहम्मद (D) उसमान

उत्तर: (A) शेख निसार

व्याख्या: संवत् 1847 (1790 ई.) में अवध के नवाब आसफुद्दौला के समय शेख निसार ने 'यूसुफ जुलेखा' की रचना की।

10. अष्टछाप के कवियों में 'अधिकारी' उपनाम से कौन जाने जाते थे और मन्दिर का प्रबन्ध देखते थे?

- (A) कृष्णदास (B) कुम्भनदास
(C) सूरदास (D) गोविन्दस्वामी

उत्तर: (A) कृष्णदास

व्याख्या: शूद्र वर्ण में उत्पन्न होने पर भी कुशाग्र बुद्धि के धनी कृष्णदास श्रीनाथ जी के मन्दिर के सर्वोच्च प्रबन्धक (अधिकारी) थे।

11. 'कवित्त-सवैये' में ब्रजभाषा में उत्कृष्ट रामकथा लिखने वाले रीतिकाल-पूर्व के कवि कौन हैं?

- (A) सेनापति (B) नाभादास
(C) अग्रदास (D) प्राणचन्द चौहान

उत्तर: (A) सेनापति

व्याख्या: महाकवि सेनापति ने अपने ग्रन्थ 'कवित्त रत्नाकर' की चौथी और पाँचवीं तरंग में रामकथा का भव्य चित्रण किया।

12. 'रामायण महानाटक' (1610 ई.) के रचयिता कौन हैं?

- (A) प्राणचन्द चौहान (B) हृदयराम
(C) अग्रदास (D) माधवदास चारण

उत्तर: (A) प्राणचन्द चौहान

व्याख्या: संवत् 1667 (1610 ई.) में प्राणचन्द चौहान ने पद्यबद्ध संवादात्मक नाटक 'रामायण महानाटक' रचा।

13. 'हनुमन्नाटक' (1623 ई.) भाषा ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) हृदयराम (B) प्राणचन्द चौहान
(C) सेनापति (D) नरहरि बारहट

उत्तर: (A) हृदयराम

व्याख्या: कवि हृदयराम ने संस्कृत हनुमन्नाटक के आधार पर ब्रजभाषा पद्य में 'हनुमन्नाटक' की रचना की।

14. 'रसरंग' और 'काव्य रसायन' (शब्द रसायन) ग्रन्थों के रचयिता कौन हैं?

- (A) देव (B) मतिराम
(C) कुलपति मिश्र (D) भिखारीदास

उत्तर: (A) देव

व्याख्या: रीतिकाल के प्रसिद्ध आचार्य-कवि देव (देवदत्त) ने 'काव्य रसायन' और 'रसरंग' की रचना की।

15. 'रस सारांश' और 'शृंगार निर्णय' ग्रन्थों के रचयिता कौन हैं?

- (A) भिखारीदास (B) प्रताप साहि
(C) पद्माकर (D) मतिराम

उत्तर: (A) भिखारीदास

व्याख्या: रीति-आचार्य भिखारीदास ने 'रस सारांश' (1742 ई.) और 'शृंगार निर्णय' (1750 ई.) की रचना की।

16. 'कवि कुल कण्ठाभरण' अलंकार ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) दूलह (B) मतिराम
(C) भूषण (D) गोप कवि

उत्तर: (A) दूलह

व्याख्या: 'अलंकार एकै पद में लखियै' की शैली में एक ही छन्द में लक्षण और उदाहरण देने वाले कवि दूलह का ग्रन्थ 'कवि कुल कण्ठाभरण' है।

17. 'राधा कन्हाई सुमिरन को बहानो है' - यह प्रसिद्ध उक्ति किस रीति-कवि की है?

- (A) भिखारीदास (B) पद्माकर
(C) बिहारी (D) देव

उत्तर: (A) भिखारीदास

व्याख्या: रीतिकाल के कवियों की शृंगारिक मनोवृत्ति पर भिखारीदास ने लिखा—'आगे के सुकवि रीझिहैं तो कविताई, न तु राधा कन्हाई सुमिरन को बहानो है'।

18. 'जैसी मुख रुचि लखि सके, तैसी आँखिन नाहिं' - यह दोहा किस कवि का है?

- (A) बिहारी (B) मतिराम
(C) रसखान (D) रहीम

उत्तर: (A) बिहारी

व्याख्या: रूप-सौन्दर्य की सूक्ष्म अनुभूति व्यक्त करने वाला यह प्रसिद्ध दोहा महाकवि बिहारी की 'बिहारी सतसई' का है।

19. 'नागरी नीरद' (साप्ताहिक पत्र, मिर्ज़ापुर) के सम्पादक कौन थे?

- (A) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' (B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) प्रतापनारायण मिश्र (D) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर: (A) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

व्याख्या: प्रेमघन जी ने 1893 ई. में मिर्ज़ापुर से 'नागरी नीरद' साप्ताहिक पत्र का सम्पादन प्रारम्भ किया।

20. 'भारत-मित्र' और 'बंगवासी' पत्रों के सम्पादक कौन रहे?

- (A) बाबू बालमुकुन्द गुप्त (B) रुद्रदत्त शर्मा
(C) अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी (D) सदानन्द मिश्र

उत्तर: (A) बाबू बालमुकुन्द गुप्त

व्याख्या: राष्ट्रीय पत्रकारिता के पुरोधा बाबू बालमुकुन्द गुप्त कलकत्ता से निकलने वाले 'भारत-मित्र' के यशस्वी सम्पादक थे।

21. 'सम्पत्ति-शास्त्र' (1908 ई.) नामक अर्थशास्त्र सम्बन्धी ग्रन्थ के लेखक कौन हैं?

- (A) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (B) बालमुकुन्द गुप्त
(C) माधवप्रसाद मिश्र (D) श्यामसुन्दर दास

उत्तर: (A) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

व्याख्या: भारत के आर्थिक शोषण और सम्पत्ति के दोहन पर आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 1908 ई. में 'सम्पत्ति-शास्त्र' लिखा।

22. 'अनघ' और 'तिलोत्तमा' पद्य-नाटकों के रचयिता कौन हैं?

- (A) मैथिलीशरण गुप्त (B) जयशंकर प्रसाद
(C) सियारामशरण गुप्त (D) हरिकृष्ण प्रेमी

उत्तर: (A) मैथिलीशरण गुप्त

व्याख्या: बौद्ध दर्शन पर आधारित 'अनघ' (1925 ई.) और पौराणिक 'तिलोत्तमा' (1916 ई.) मैथिलीशरण गुप्त के पद्य-नाटक हैं।

23. 'अनामिका' का प्रथम संस्करण किस वर्ष प्रकाशित हुआ था?

- (A) 1923 ई. (B) 1930 ई.
(C) 1938 ई. (D) 1916 ई.

उत्तर: (A) 1923 ई.

व्याख्या: निराला का प्रथम काव्य-संग्रह 'अनामिका' 1923 ई. में छपा था, जबकि इसका परिवर्धित द्वितीय संस्करण 1938 ई. में आया।

24. 'राम की शक्तिपूजा' (1936 ई.) कविता में कुल कितने चरण (पंक्तियाँ) हैं?

- (A) 312 पंक्तियाँ (B) 250 पंक्तियाँ
(C) 412 पंक्तियाँ (D) 180 पंक्तियाँ

उत्तर: (A) 312 पंक्तियाँ

व्याख्या: निराला कृत महाकाव्यात्मक ओजस्वी कविता 'राम की शक्तिपूजा' में कुल 312 पंक्तियाँ हैं।

25. 'गुंजन' (1932 ई.) काव्य-संग्रह के रचयिता कौन हैं?

- (A) सुमित्रानन्दन पंत (B) जयशंकर प्रसाद
(C) महादेवी वर्मा (D) निराला

उत्तर: (A) सुमित्रानन्दन पंत

व्याख्या: 'सुन्दर है विहग सुमन सुन्दर...'—प्रकृति और सौन्दर्य के कोमल गीतों से युक्त 'गुंजन' पंत जी का प्रसिद्ध संग्रह है।

26. 'आत्महत्या के विरुद्ध' और 'हँसो हँसो जल्दी हँसो' काव्य-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) रघुवीर सहाय (B) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(C) कुंवर नारायण (D) केदारनाथ सिंह

उत्तर: (A) रघुवीर सहाय

व्याख्या: दूसरे सप्तक के कवि और दिनमान के सम्पादक रघुवीर सहाय के ये बहुचर्चित काव्य-संग्रह हैं।

27. 'काठ की घंटियाँ' और 'बाँस का पुल' काव्य-कृतियों के रचयिता कौन हैं?

- (A) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (B) धर्मवीर भारती
(C) विजयदेव नारायण साही (D) मदन वात्स्यायन

उत्तर: (A) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

व्याख्या: तीसरे सप्तक के शीर्ष कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के ये प्रसिद्ध प्रगतिशील-मानवीय कविता संग्रह हैं।

28. 'जमीन पक रही है' और 'यहाँ से देखो' काव्य-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) केदारनाथ सिंह (B) कुंवर नारायण
(C) मंगलेश डबराल (D) राजेश जोशी

उत्तर: (A) केदारनाथ सिंह

व्याख्या: ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित समकालीन कवि केदारनाथ सिंह के ये कालजयी काव्य-संग्रह हैं।

29. 'पहाड़ पर लालटेन' और 'घर का रास्ता' काव्य-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) मंगलेश डबराल (B) वीरेन्द्र डंगवाल
(C) राजेश जोशी (D) उदय प्रकाश

उत्तर: (A) मंगलेश डबराल

व्याख्या: समकालीन कविता के संवेदनशील हस्ताक्षर मंगलेश डबराल के ये प्रसिद्ध काव्य-संग्रह हैं।

30. 'दुष्कर्म में सृष्टि' काव्य-संग्रह पर किस कवि को साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला?

- (A) वीरेन डंगवाल (B) राजेश जोशी
(C) आलोक धन्वा (D) कुमार अम्बुज

उत्तर: (A) वीरेन डंगवाल

व्याख्या: जनवादी चेतना के कवि वीरेन डंगवाल को उनके संग्रह 'दुष्कर्म में सृष्टि' (2002 ई.) पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला।

31. 'सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक में भारतेन्दु जी ने किस सत्यवादी राजा के जीवन को रूपायित किया है?

- (A) राजा हरिश्चन्द्र (B) राजा नल
(C) राजा दिलीप (D) राजा भरत

उत्तर: (A) राजा हरिश्चन्द्र

व्याख्या: 1875 ई. में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने सत्य और धर्म की रक्षा करने वाले महाराजा हरिश्चन्द्र के आख्यान पर यह नाटक रचा।

32. 'अजातशत्रु' नाटक (1922 ई.) में किस ऐतिहासिक काल का द्वन्द्व चित्रित है?

- (A) मगध, कोशल और कौशाम्बी के त्रिकोणीय संघर्ष का काल (B) मौर्य काल
(C) गुप्त काल (D) वर्धन काल

उत्तर: (A) मगध, कोशल और कौशाम्बी के त्रिकोणीय संघर्ष का काल

व्याख्या: जयशंकर प्रसाद ने बौद्ध कालीन तीन प्रमुख साम्राज्यों (मगध, कोशल, कौशाम्बी) के राजनैतिक षड्यंत्रों को 'अजातशत्रु' में दर्शाया।

33. 'शारदीया' नाटक के लेखक कौन हैं?

- (A) जगदीशचन्द्र माथुर (B) लक्ष्मीनारायण लाल
(C) भीष्म साहनी (D) मोहन राकेश

उत्तर: (A) जगदीशचन्द्र माथुर

व्याख्या: 1959 ई. में प्रकाशित 'शारदीया' जगदीशचन्द्र माथुर का मराठा पृष्ठभूमि पर आधारित ऐतिहासिक-रोमांटिक नाटक है।

34. 'कलंकी' और 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटकों के रचयिता कौन हैं?

- (A) डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल (B) सुरेन्द्र वर्मा
(C) दया प्रकाश सिन्हा (D) मुद्राराक्षस

उत्तर: (A) डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

व्याख्या: आधुनिक राजनीति और मानवीय पतन के द्वन्द्व को दर्शाने वाले ये नाटक डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल के हैं।

35. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (उपन्यास)	सूची-II (उपन्यासकार)
(a) सेवा सदन	(1) प्रेमचन्द
(b) कंकाल	(2) जयशंकर प्रसाद
(c) पुनर्नवा	(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(d) खंजन नयन	(4) अमृतलाल नागर

कूट:

- (A) a-1, b-2, c-3, d-4 (B) a-2, b-1, c-4, d-3
(C) a-1, b-3, c-2, d-4 (D) a-4, b-2, c-1, d-3

उत्तर: (A) a-1, b-2, c-3, d-4

व्याख्या: सेवा सदन - प्रेमचन्द (1918), कंकाल - जयशंकर प्रसाद (1929), पुनर्नवा - हजारी प्रसाद द्विवेदी (1973), खंजन नयन - अमृतलाल नागर (1981, सूरदास के जीवन पर)।

36. सूरदास के जीवन पर आधारित उपन्यास 'खंजन नयन' के लेखक कौन हैं?

- (A) अमृतलाल नागर (B) रांगेय राघव
(C) वृन्दावनलाल वर्मा (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर: (A) अमृतलाल नागर

व्याख्या: अमृतलाल नागर ने तुलसीदास के जीवन पर 'मानस का हंस' (1972) तथा सूरदास के जीवन पर 'खंजन नयन' (1981) लिखा।

37. 'मुर्दों का टीला' (सिन्धु घाटी सभ्यता पर आधारित) उपन्यास के रचयिता कौन हैं?

- (A) रांगेय राघव (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) चतुरसेन शास्त्री (D) यशपाल

उत्तर: (A) रांगेय राघव

व्याख्या: प्रगतिशील बहुमुखी लेखक रांगेय राघव ने मोहनजोदड़ो के ऐतिहासिक उत्थान-पतन पर 'मुर्दों का टीला' (1948 ई.) लिखा।

38. 'वयम् रक्षामः' और 'सोमनाथ' उपन्यासों के लेखक कौन हैं?

- (A) आचार्य चतुरसेन शास्त्री (B) वृन्दावनलाल वर्मा
(C) राहुल सांकृत्यायन (D) इलाचन्द्र जोशी

उत्तर: (A) आचार्य चतुरसेन शास्त्री

व्याख्या: रावण और राक्षस संस्कृति की पुनर्स्थापना करने वाले 'वयम् रक्षामः' के लेखक आचार्य चतुरसेन शास्त्री हैं।

39. 'सद्गति' और 'दूध का दाम' कहानियों के रचयिता कौन हैं?

- (A) मुंशी प्रेमचन्द (B) जयशंकर प्रसाद
(C) यशपाल (D) जैनेन्द्र

उत्तर: (A) मुंशी प्रेमचन्द

व्याख्या: दलित-शोषण और अमानवीय सामाजिक रूढ़ियों पर तीखा प्रहार करने वाली ये दोनों अमर कहानियाँ प्रेमचन्द की हैं।

40. 'ममता' कहानी (रोहतास दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी युवती) के लेखक कौन हैं?

- (A) जयशंकर प्रसाद (B) प्रेमचन्द
(C) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (D) सुदर्शन

उत्तर: (A) जयशंकर प्रसाद

व्याख्या: शरणागत-रक्षा और हिन्दू नारी के स्वाभिमान को अमर बनाने वाली कहानी 'ममता' जयशंकर प्रसाद की है।

41. 'रसप्रिया' और 'तीसरी कसम' कहानियों के रचयिता कौन हैं?

- (A) फणीश्वरनाथ रेणु (B) मार्कण्डेय
(C) अमरकान्त (D) शैलेश मटियानी

उत्तर: (A) फणीश्वरनाथ रेणु

व्याख्या: मृदंगिया और मोहना के संगीतमय लोक-जीवन पर आधारित कहानी 'रसप्रिया' आंचलिक कथाकार रेणु जी की है।

42. 'राजा निरबंसिया' के अतिरिक्त कमलेश्वर की कौन-सी कहानी विभाजन के दर्द को उकेरती है?

- (A) कितने पाकिस्तान (B) नीली झील
(C) कस्बे का आदमी (D) बयान

उत्तर: (A) कितने पाकिस्तान

व्याख्या: 'कितने पाकिस्तान' कमलेश्वर का कालजयी उपन्यास है, तथा 'जॉर्ज पंचम की नाक' उनकी प्रसिद्ध व्यंग्य कहानी है।

43. 'भय' और 'करुणा' मनोविकार सम्बन्धी निबन्धों के लेखक कौन हैं?

- (A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) गुलाब राय

उत्तर: (A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

व्याख्या: आचार्य शुक्ल ने 'चिन्तामणि' में मनोविकारों का मनोवैज्ञानिक एवं शास्त्रीय विवेचन करते हुए ये निबन्ध लिखे।

44. 'शरीष के फूल' ललित निबन्ध के रचयिता कौन हैं?

- (A) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) कुबेरनाथ राय (D) रामवृक्ष बेनीपुरी

उत्तर: (A) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

व्याख्या: प्रचण्ड जेठ की गर्मी में भी अविचल खिले रहने वाले शरीष को 'कालजयी अवधूत' के रूप में हजारी प्रसाद द्विवेदी ने चित्रित किया।

45. 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' और 'वैष्णव की फिसलन' व्यंग्य-संग्रहों के लेखक कौन हैं?

- (A) हरिशंकर परसाई (B) शरद जोशी
(C) रवीन्द्रनाथ त्यागी (D) गोपालप्रसाद व्यास

उत्तर: (A) हरिशंकर परसाई

व्याख्या: राजनीतिक विसंगतियों और राष्ट्रीय पाखण्ड पर व्यंग्य बाण चलाने वाले ये संग्रह हरिशंकर परसाई के हैं।

46. 'जीप पर सवार इल्लियाँ' व्यंग्य-निबन्ध के लेखक कौन हैं?

- (A) शरद जोशी (B) हरिशंकर परसाई
(C) श्रीलाल शुक्ल (D) के.पी. सक्सेना

उत्तर: (A) शरद जोशी

व्याख्या: सरकारी तंत्र के दिखावे और चना-योजना में अफसरों की लूट पर मारक व्यंग्य करने वाले लेखक शरद जोशी हैं।

47. 'छायावाद का पतन' (1948 ई.) समीक्षा पुस्तक के लेखक कौन हैं?

- (A) डॉ. देवराज (B) रामविलास शर्मा
(C) नन्ददुलारे वाजपेयी (D) नामवर सिंह

उत्तर: (A) डॉ. देवराज

व्याख्या: छायावादी काव्यधारा की सीमाओं और उसके हास का तटस्थ विश्लेषण डॉ. देवराज ने 'छायावाद का पतन' में किया।

48. 'प्रगति और परम्परा' तथा 'साहित्य और संस्कृति' आलोचनात्मक ग्रन्थों के लेखक कौन हैं?

- (A) डॉ. रामविलास शर्मा (B) शिवदान सिंह चौहान
(C) प्रकाशचन्द्र गुप्त (D) नामवर सिंह

उत्तर: (A) डॉ. रामविलास शर्मा

व्याख्या: प्रगतिशील आलोचना के शीर्ष स्तम्भ डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय परम्परा के प्रगतिशील तत्वों का उद्घाटन इन ग्रन्थों में किया।

49. 'कस्तूरी कुण्डल बसै' किस लेखिका की बहुचर्चित आत्मकथा है?

- (A) मैत्रेयी पुष्पा (B) प्रभा खेतान
(C) मन्नू भण्डारी (D) रमणिका गुप्ता

उत्तर: (A) मैत्रेयी पुष्पा

व्याख्या: ग्रामीण पृष्ठभूमि की संघर्षशील स्त्री-चेतना को स्वर देने वाली आत्मकथा 'कस्तूरी कुण्डल बसै' (2002 ई.) मैत्रेयी पुष्पा की है।

50. 'पैरों में पंख बाँधकर' और 'उड़ते चलो, उड़ते चलो' यात्रा-वृत्तान्तों के रचयिता कौन हैं?

- (A) रामवृक्ष बेनीपुरी (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) अज्ञेय (D) दिनकर

उत्तर: (A) रामवृक्ष बेनीपुरी

व्याख्या: भावुकता, काव्यात्मकता और जीवन्त चित्रात्मकता से युक्त ये यात्रा-वृत्तान्त रामवृक्ष बेनीपुरी के हैं (1952-1954 ई.)।

51. 'काव्यमीमांसा' में राजशेखर ने कवियों की कितनी श्रेणियाँ बताई हैं?

- (A) तीन (शास्त्रकवि, काव्यकवि, उभयकवि) (B) दो
(C) चार (D) पाँच

उत्तर: (A) तीन (शास्त्रकवि, काव्यकवि, उभयकवि)

व्याख्या: राजशेखर ने काव्यमीमांसा में कवियों का वर्गीकरण शास्त्रकवि, काव्यकवि और उभयकवि के रूप में किया है।

52. 'औचित्य' को काव्य का जीवित (प्राण) मानने वाले क्षेमेन्द्र ने औचित्य के कितने भेद माने हैं?

- (A) 27 भेद (B) 10 भेद
(C) 33 भेद (D) 15 भेद

उत्तर: (A) 27 भेद

व्याख्या: आचार्य क्षेमेन्द्र ने 'औचित्य विचार चर्चा' में पद, वाक्य, प्रबन्ध, गुण, अलंकार आदि से सम्बद्ध औचित्य के 27 भेद किए हैं।

53. कुन्तक ने वक्रोक्ति के कितने प्रमुख भेद माने हैं?

- (A) छह भेद (B) चार भेद
(C) आठ भेद (D) दस भेद

उत्तर: (A) छह भेद

व्याख्या: आचार्य कुन्तक ने 'वक्रोक्तिजीवितम्' में वक्रोक्ति के 6 भेद किए हैं: वर्णविन्यास, पदपूर्वार्ध, पदपरार्ध, वाक्य, प्रकरण, प्रबन्ध वक्रता।

54. रस निष्पत्ति के सन्दर्भ में 'चित्र-तुरग न्याय' की परिकल्पना किस आचार्य ने की?

- (A) आचार्य शंकुक (B) भट्ट लोलट
(C) भट्ट नायक (D) अभिनवगुप्त

उत्तर: (A) आचार्य शंकुक

व्याख्या: जिस प्रकार चित्र में बने घोड़े को देखकर घोड़े की प्रतीति होती है, उसी प्रकार नट में मूल पात्र का अनुमान आचार्य शंकुक ने माना।

55. 'भक्ति रस' को स्वतंत्र एकादश (ग्यारहवें) रस के रूप में पूर्ण प्रतिष्ठा किस आचार्य ने दी?

- (A) रूप गोस्वामी (B) विश्वनाथ
(C) भरतमुनि (D) मम्मट

उत्तर: (A) रूप गोस्वामी

व्याख्या: चैतन्य सम्प्रदाय के आचार्य रूप गोस्वामी ने 'हरिभक्तिरसामृतसिन्धु' और 'उज्ज्वलनीलमणि' में भक्ति रस की शास्त्रीय प्रतिष्ठा की।

56. सात्विक अनुभावों में 'स्तम्भ' और 'प्रलय' का क्या अर्थ है?

- (A) स्तम्भ = गतिहीन/जड़ हो जाना, प्रलय = चेतना-हीन (बेहोश) हो जाना (B) स्तम्भ = काँपना, प्रलय = पसीना आना

- (C) स्तम्भ = आँसू आना, प्रलय = रंग उड़ना (D) स्तम्भ = हँसना, प्रलय = रोना

उत्तर: (A) स्तम्भ = गतिहीन/जड़ हो जाना, प्रलय = चेतना-हीन (बेहोश) हो जाना

व्याख्या: आठ सात्विक अनुभावों में भय/विस्मय से शरीर का निष्पन्द हो जाना 'स्तम्भ' तथा संज्ञाशून्य हो जाना 'प्रलय' कहलाता है।

57. 'दीपक' अलंकार का लक्षण क्या है?

(A) प्रस्तुत (उपमेय) और अप्रस्तुत (उपमान) दोनों का एक ही धर्म/क्रिया से अन्वय होना (B) केवल कारण बताना

(C) उपमेय का लोप होना (D) उपमान का निषेध होना

उत्तर: (A) प्रस्तुत (उपमेय) और अप्रस्तुत (उपमान) दोनों का एक ही धर्म/क्रिया से अन्वय होना

व्याख्या: जिस प्रकार एक कोने में रखा दीपक पूरे कमरे को प्रकाशित करता है, उसी प्रकार एक क्रिया प्रस्तुत और अप्रस्तुत दोनों का पोषण करे तो दीपक अलंकार होता है।

58. 'असंगति' अलंकार का मुख्य लक्षण क्या है?

(A) कारण का एक स्थान पर और कार्य का दूसरे स्थान पर होना (B) कारण न होने पर कार्य होना

(C) कारण होने पर भी कार्य न होना (D) कारण और कार्य का एक साथ होना

उत्तर: (A) कारण का एक स्थान पर और कार्य का दूसरे स्थान पर होना

व्याख्या: 'हृदय घाव मेरे पीर रघुवीर'—जहाँ कारण एक अधिकरण में हो और कार्य दूसरे में, वहाँ असंगति अलंकार होता है।

59. 'गीतिका' छन्द के प्रत्येक चरण में कुल कितनी मात्राएँ होती हैं?

(A) 26 मात्राएँ (14 और 12 पर यति) (B) 28 मात्राएँ

(C) 24 मात्राएँ (D) 30 मात्राएँ

उत्तर: (A) 26 मात्राएँ (14 और 12 पर यति)

व्याख्या: गीतिका सम मात्रिक छन्द है जिसके प्रत्येक चरण में 26 मात्राएँ होती हैं तथा 14 और 12 मात्राओं पर यति होती है (अन्त में लघु-गुरु)।

60. 'द्रुतविलम्बित' छन्द में कितने वर्ण होते हैं?

(A) 12 वर्ण (B) 11 वर्ण

(C) 14 वर्ण (D) 17 वर्ण

उत्तर: (A) 12 वर्ण

व्याख्या: 'द्रुतविलम्बितमाह नभौ भरौ'—यह 12 वर्णों का सम वर्णिक छन्द है जिसमें नगण, भगण, भगण और रगण का क्रम होता है (प्रियप्रवास का मुख्य छन्द)।

61. 'वसन्ततिलका' छन्द में वर्णों की संख्या कितनी होती है?

(A) 14 वर्ण (B) 12 वर्ण

(C) 15 वर्ण (D) 17 वर्ण

उत्तर: (A) 14 वर्ण

व्याख्या: 'उक्ता वसन्ततिलका तभजा जगौ गः'—प्रत्येक चरण में 14 वर्णों वाला यह अत्यन्त सरस वर्णिक वृत्त है।

62. 'पैशाची अपभ्रंश' से किन आधुनिक भारतीय भाषाओं का विकास हुआ?

(A) लहन्दा और पंजाबी (B) सिन्धी और गुजराती

(C) मराठी और ओड़िया (D) असमिया और बँगला

उत्तर: (A) लहन्दा और पंजाबी

व्याख्या: उत्तर-पश्चिमी सीमा की पैशाची/ब्राचड़ अपभ्रंश से 'लहन्दा' और 'पंजाबी' भाषाओं का विकास हुआ।

63. 'महाराष्ट्री अपभ्रंश' से किस भाषा का उद्भव हुआ?

(A) मराठी (B) गुजराती

(C) उड़िया (D) कोंकणी

उत्तर: (A) मराठी

व्याख्या: दक्षिणात्य महाराष्ट्री अपभ्रंश से आधुनिक 'मराठी' भाषा का विकास हुआ।

64. 'अष्टछाप' के कवियों की मुख्य साहित्यिक भाषा क्या थी?

(A) ब्रजभाषा (B) अवधी

(C) खड़ीबोली (D) राजस्थानी

उत्तर: (A) ब्रजभाषा

व्याख्या: पुष्टिमार्गीय अष्टछाप के आठों सरवा कवियों (सूर, नन्द, परमानन्द आदि) की आराधना और काव्य की भाषा विशुद्ध माधुर्यपूर्ण ब्रजभाषा थी।

65. विश्व हिन्दी दिवस प्रतिवर्ष किस तिथि को मनाया जाता है?

- (A) 10 जनवरी (B) 14 सितम्बर
(C) 21 फरवरी (D) 1 मई

उत्तर: (A) 10 जनवरी

व्याख्या: 10 जनवरी 1975 को नागपुर में प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन आयोजित होने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

66. हिन्दी में 'दन्त्योष्ठ्य' ध्वनि निम्नलिखित में से कौन-सी है?

- (A) व (B) य
(C) र (D) ल

उत्तर: (A) व

व्याख्या: 'वकारस्य दन्त्योष्ठ्यम्'—ऊपर के दाँतों और निचले होंठ के स्पर्श से उच्चरित होने के कारण 'व' दन्त्योष्ठ्य ध्वनि है।

67. 'ह' वर्ण का उच्चारण स्थान क्या है?

- (A) कण्ठ (काकल्य) (B) तालु
(C) मूर्धा (D) दन्त

उत्तर: (A) कण्ठ (काकल्य)

व्याख्या: 'अकुहविसर्जनीयानां कण्ठः' सूत्र से 'ह' कण्ठ्य ध्वनि है, इसे स्वरतन्त्रीमुखी या काकल्य वर्ण भी कहा जाता है।

68. 'यशोदा' का सही सन्धि-विच्छेद क्या है?

- (A) यशः + दा (B) यशो + दा
(C) यश + दा (D) यशा + उदा

उत्तर: (A) यशः + दा

व्याख्या: विसर्ग के पूर्व 'अ' और बाद में वर्ग का तृतीय वर्ण (द्) आने पर विसर्ग का 'ओ' हो जाता है (यशः + दा = यशोदा, विसर्ग सन्धि)।

69. 'उद्धार' का सही सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

- (A) उत् + हार (B) उद् + धार
(C) उत् + धार (D) उद् + हार

उत्तर: (A) उत् + हार

व्याख्या: त् के बाद ह् आने पर त् का द् और ह् का ध् हो जाता है (उत् + हार = उद्धार, व्यंजन सन्धि)।

70. 'दम्पती' (पति और पत्नी) में कौन-सा समास है?

- (A) द्वन्द्व समास (B) कर्मधारय समास
(C) तत्पुरुष समास (D) द्विगु समास

उत्तर: (A) द्वन्द्व समास

व्याख्या: पति और पत्नी दोनों पदों की प्रधानता होने के कारण 'दम्पती' में द्वन्द्व (इतरेतर द्वन्द्व) समास है।

71. 'देशभक्ति' (देश के लिए भक्ति) में कौन-सा तत्पुरुष समास है?

- (A) सम्प्रदान तत्पुरुष (B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) करण तत्पुरुष (D) अधिकरण तत्पुरुष

उत्तर: (A) सम्प्रदान तत्पुरुष

व्याख्या: 'के लिए' विभक्ति चिह्न का लोप होने के कारण इसमें सम्प्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी) समास है।

72. 'वृक्ष पर कौआ बैठा है' में 'वृक्ष पर' में कौन-सा कारक है?

- (A) अधिकरण कारक (B) अपादान कारक
(C) करण कारक (D) कर्म कारक

उत्तर: (A) अधिकरण कारक

व्याख्या: क्रिया का आधार 'वृक्ष' है और पर विभक्ति लगी है, अतः अधिकरण कारक (सप्तमी) है।

73. 'आविर्भाव' का विलोम शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (A) तिरोभाव (B) प्रादुर्भाव
(C) अभाव (D) विभाव

उत्तर: (A) तिरोभाव

व्याख्या: आविर्भाव (प्रकट होना) का मानक विलोम 'तिरोभाव' (अदृश्य/लोप होना) होता है।

74. 'संकीर्ण' का विलोम शब्द क्या है?

- (A) विस्तीर्ण (B) विकीर्ण
(C) संकुचित (D) विस्तृत

उत्तर: (A) विस्तीर्ण

व्याख्या: संकीर्ण (तंग/छोटा) का शुद्ध विलोम 'विस्तीर्ण' (फैला हुआ/विशाल) होता है।

75. 'अनल' किसका पर्यायवाची है?

- (A) अग्नि (आग) (B) वायु
(C) जल (D) आकाश

उत्तर: (A) अग्नि (आग)

व्याख्या: अनल, पावक, दहन, वह्नि अग्नि के पर्यायवाची हैं (जबकि अनिल वायु का पर्यायवाची है)।

76. 'महीप' और 'नरेश' किसके पर्यायवाची शब्द हैं?

- (A) राजा (नृप) (B) मन्त्री
(C) सेनापति (D) प्रजा

उत्तर: (A) राजा (नृप)

व्याख्या: महीप, भूपति, नरेश, नृप, अवनीश सभी राजा के पर्यायवाची शब्द हैं।

77. 'अक्षि' का तद्भव रूप क्या है?

- (A) आँख (B) नाक
(C) कान (D) अक्ष

उत्तर: (A) आँख

व्याख्या: संस्कृत तत्सम शब्द 'अक्षि' का हिन्दी तद्भव रूप 'आँख' होता है।

78. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द चुनिए:

- (A) अनुगृहीत (B) अनुग्रहीत
(C) अनुग्रहति (D) अनूगृहीत

उत्तर: (A) अनुगृहीत

व्याख्या: मानक हिन्दी में 'ग्रह' का कृदन्त रूप 'गृहीत' बनता है, अतः शुद्ध शब्द 'अनुगृहीत' है।

79. 'हवा से बातें करना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

- (A) बहुत तेज गति से दौड़ना/चलना (B) घमण्ड करना
(C) व्यर्थ की बातें करना (D) उड़ना

उत्तर: (A) बहुत तेज गति से दौड़ना/चलना

व्याख्या: अत्यधिक तीव्र गति से चलने या भागने के लिए 'हवा से बातें करना' मुहावरे का प्रयोग किया जाता है।

80. 'बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से होय' लोकोक्ति का सही अर्थ क्या है?

- (A) बुरे कर्मों का फल कभी अच्छा नहीं हो सकता (B) बबूल के कांटे लगाना
(C) फलदार पेड़ लगाना (D) गलत कृषि करना

उत्तर: (A) बुरे कर्मों का फल कभी अच्छा नहीं हो सकता

व्याख्या: कर्म के अनुरूप ही फल मिलता है; यदि कर्म बुरा है तो परिणाम कभी कल्याणकारी नहीं हो सकता।

81. 'विक्रमोर्वशीयम्' रूपक के किस भेद के अन्तर्गत आता है?

- (A) त्रोटक (5 अंक) - कालिदास (B) नाटक - भवभूति
(C) प्रकरण - शूद्रक (D) नाटिका - श्रीहर्ष

उत्तर: (A) त्रोटक (5 अंक) - कालिदास

व्याख्या: महाकवि कालिदास कृत पुरुरवा और उर्वशी की प्रेमकथा पर आधारित 'विक्रमोर्वशीयम्' रूपक के उपभेद 'त्रोटक' का उदाहरण है।

82. 'किरातार्जुनीयम्' में कुल कितने श्लोक संकलित माने जाते हैं?

- (A) 1030 श्लोक (18 सर्ग) (B) 1500 श्लोक
(C) 800 श्लोक (D) 1200 श्लोक

उत्तर: (A) 1030 श्लोक (18 सर्ग)

व्याख्या: भारवि कृत किरातार्जुनीयम् के 18 सर्गों में कुल 1030 श्लोक हैं।

83. 'शिशुपालवधम्' के प्रत्येक सर्ग का अन्तिम श्लोक किस शब्द से समाप्त होता है?

- (A) श्री (B) लक्ष्मी
(C) शिव (D) कृष्ण

उत्तर: (A) श्री

व्याख्या: माघ के शिशुपालवधम् का प्रारम्भ भी 'श्री' से होता है और प्रत्येक सर्ग के अन्त में भी 'श्री' शब्द का प्रयोग हुआ है।

84. 'महावीरचरितम्' नाटक के रचयिता कौन हैं?

- (A) भवभूति (B) कालिदास
(C) भारवि (D) भास

उत्तर: (A) भवभूति

व्याख्या: भवभूति ने राम के पूर्व-चरित्र (विवाह से राज्याभिषेक तक) को 7 अंकों के वीर-रस प्रधान नाटक 'महावीरचरितम्' में प्रस्तुत किया।

85. 'रत्नावली' और 'प्रियदर्शिका' नाटिकाओं के रचयिता कौन हैं?

- (A) सम्राट हर्षवर्धन (श्रीहर्ष) (B) बाणभट्ट
(C) भास (D) शूद्रक

उत्तर: (A) सम्राट हर्षवर्धन (श्रीहर्ष)

व्याख्या: 7वीं शती के सम्राट हर्षवर्धन ने 4-4 अंकों की शृंगारिक नाटिकाओं 'रत्नावली' और 'प्रियदर्शिका' की रचना की।

86. 'सह' के बिना केवल 'विना' के योग में कौन-कौन सी विभक्तियाँ होती हैं?

- (A) द्वितीया, तृतीया और पञ्चमी (पृथग्विनानानाभिस्तृतीयान्यतरस्याम्) (B) केवल चतुर्थी
(C) केवल षष्ठी (D) केवल प्रथमा

उत्तर: (A) द्वितीया, तृतीया और पञ्चमी (पृथग्विनानानाभिस्तृतीयान्यतरस्याम्)

व्याख्या: पृथक्, विना और नाना शब्दों के योग में विकल्प से द्वितीया, तृतीया अथवा पञ्चमी विभक्ति प्रयुक्त होती है।

87. 'जनिकर्तुः प्रकृतिः' सूत्र से किस कारक की संज्ञा होती है?

- (A) अपादान कारक (पञ्चमी विभक्ति) (B) करण कारक
(C) कर्म कारक (D) सम्प्रदान कारक

उत्तर: (A) अपादान कारक (पञ्चमी विभक्ति)

व्याख्या: जिससे कोई वस्तु उत्पन्न होती है, उसके मूल कारण (प्रकृति) की अपादान संज्ञा होती है (जैसे- ब्रह्मणः प्रजाः प्रजायन्ते)।

88. 'भुवः प्रभवः' सूत्र का प्रसिद्ध उदाहरण कौन-सा है?

- (A) हिमालयात् गंगा प्रभवति (हिमालय से गंगा निकलती है) (B) वृक्षात् फलं पतति
(C) गुरवे नमः (D) पादेन खञ्जः

उत्तर: (A) हिमालयात् गंगा प्रभवति (हिमालय से गंगा निकलती है)

व्याख्या: जहाँ से कोई वस्तु पहली बार प्रकट या प्रवाहित हो, उसके उद्गम स्थल में अपादान कारक (पञ्चमी) होता है।

89. 'दृश्' (पश्य) धातु का लट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन रूप क्या होता है?

- (A) पश्यति (B) द्रक्ष्यति
(C) अपश्यत् (D) पश्यन्ति

उत्तर: (A) पश्यति

व्याख्या: 'दृश्' धातु का लट् लकार (वर्तमान काल) में रूप पश्यति (एकवचन), पश्यतः (द्विवचन), पश्यन्ति (बहुवचन) चलता है।

90. 'सः विद्यालये पठति' का सही हिन्दी अनुवाद क्या है?

- (A) वह विद्यालय में पढ़ता है (B) वह विद्यालय जाता है
(C) वह विद्यालय से आता है (D) वे विद्यालय में पढ़ते हैं

उत्तर: (A) वह विद्यालय में पढ़ता है

व्याख्या: सः (वह) + विद्यालये (विद्यालय में, अधिकरण कारक) + पठति (पढ़ता है), अतः सही अनुवाद 'वह विद्यालय में पढ़ता है' होगा।